BRILLION Publishing

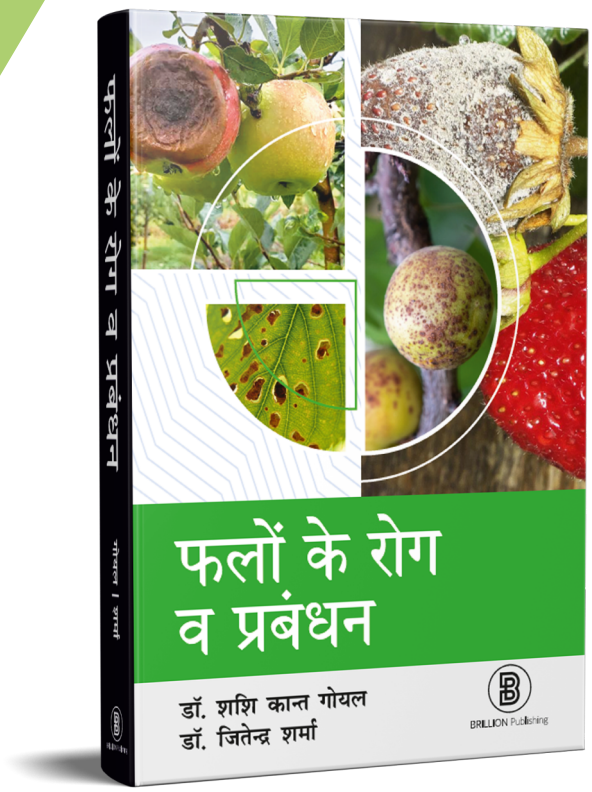


# फलों के रोग व प्रबंधन

ISBN: 978-81-19238-02-6
e-ISBN: 978-81-19238-07-1
Pages: 454
2023
Printed Copy
Paperback ₹ 995/-

भारत एक कृषि प्रधान देश हैं। भारत में कई प्रकार के फलों की खेती की जाती हैं। फलों पर कवक, जीवाणु, विषाणु व सूत्रकृमि जनित कई रोगों का प्रकोप होता हैं। परन्तु रोगों की सही समय पर सही जानकारी ना मिलने व समय पर रोगों का प्रबंधन नहीं होने से उत्पादन में भारी गिरावट आ जाती हैं।

इसी बात को मध्यनजर रखते हुए डॉ. शशि कान्त गोयल एवं डॉ. जितेन्द्र शर्मा द्वारा कृषकों, विद्यार्थियों व विस्तार कर्मियों को फलों में होने वाले विभिन्न प्रकार के रोगों के बारें में उपयोगी जानकारी उपलब्ध करवाने हेतु हिन्दी भाषा में **'फलों के रोग व प्रबंधन'** नामक पुस्तक लिखी गई हैं।

इस पुस्तक में प्रत्येक फल के प्रमुख रोगों की सूची, मुख्य रोगों के चित्र सहित पहचान के लक्षण, रोग कारक मय वर्गीकरण, रोग चक्र, रोग प्रबंधन एवं शब्दावली को हिन्दी भाषा में अंग्रेजी भाषा के कुछ शब्दों को शामिल करते हुए विस्तारपूर्वक व सरल भाषा में समझाया गया हैं।

अतः यह पुस्तक फल उत्पादक कृषकों व पौध व्याधि विषय से जुड़े विद्यार्थियों व अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले विद्यार्थियों के लिए उपयोगी सिध्द होगी।

**डॉ. शशि कान्त गोयल | डॉ. जितेन्द्र शर्मा**

## (Contents)


- आम के रोग
- आम के रोग
- नींबू वर्गीय फलों के रोग
- पपीता के रोग
- अमरुद के रोग
- अनार के रोग
- केले के रोग
- अंगूर के रोग
- चीकू के रोग
- सेब व नाशपती के रोग
- नारियल के रोग
- खजूर के रोग
- अनन्नास के रोग
- लीची के रोग
- सीताफल के रोग
- स्ट्राबेरी के रोग
- कटहल के रोग
- बेर के रोग
- बेल के रोग
- आंवला के रोग
- जामून के रोग
- लसोड़ा के रोग
- करौंदा के रोग
- अंजीर के रोग
- चिरोंजी के रोग
- शहतूत के रोग
- इमली के रोग
- ड्रेगन फ्रुट के रोग
- कीवी के रोग
- पैशन फ्रुट (कृष्ण फल) के रोग
- लोकाट के रोग
- फालसा के रोग
- आड़ू के रोग
- बादाम के रोग
- काजू के रोग
- आलूबुखारा के रोग
- एवोकाडो के रोग
- चेरी के रोग
- अखरोट के रोग
- रसभरी के रोग


ISBN: 978-81-19238-02-6
9 788119 238026

For e-version of the book or sample chapter for personal perusal contact:
**info@brillionpublishing.com**
**www.brillionpublishing.com**